**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**20.08.2025 के**

**तारांकित प्रश्न सं. 382 का उत्तर**

**नासिक और पुणे के बीच रेल लाइन**

***382. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) क्या सरकार द्वारा महाराष्ट्र में नासिक और पुणे तथा अकोला होते हुए मनमाड-शाहपुर और नेवासा-परली वैद्यनाथ होते हुए बेलापुर के बीच एक नई रेल लाइन बिछाने के लिए कोई सर्वेक्षण किया गया है/किए जाने का विचार है;**

**(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त रेल लाइन कब तक बिछाए जाने का विचार है; और**

**(ग) इस संबंध में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

*********

**दिनांक 20.08.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 382 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।**

**(क) से (ग): पुणे और नासिक के बीच रेल संपर्कता में सुधार लाने के लिए, निम्नलिखित कार्य/सर्वेक्षण स्वीकृत किए गए हैं: -**

| क्र. सं. | कार्य का नाम | लंबाई |
|---|---|---|
| 1. | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए नासिक-साईनगर शिरडी नई दोहरी लाइन | 82 किलोमीटर |
| 2. | साईनगर शिरडी - पुणतांबा दोहरीकरण | 17 किलोमीटर |
| 3. | पुणतांबा-अहिल्यानगर दोहरीकरण | 77 किलोमीटर |
| 4. | विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अहिल्यानगर-पुणे नई दोहरी लाइन | 125 किलोमीटर |

**इन सर्वेक्षणों के लिए वास्तविक सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।**

**विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से आवश्यक अनुमोदन अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजनाएं स्वीकृत करना सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की जा सकती है।**

**संगमनेर (अकोले के निकट) के रास्ते पुणे और नासिक के बीच रेल संपर्कता प्रदान करने के लिए, महाराष्ट्र रेल अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एमआरआईडीसी), जो महाराष्ट्र सरकार (50%) और रेल मंत्रालय (50%) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, द्वारा एक अन्य विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई थी।**

**विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में प्रस्तावित संरेखण नारायणगांव से होकर गुज़र रहा था जहाँ राष्ट्रीय रेडियो खगोल भौतिकी केंद्र (एनसीआरए), पुणे ने विशाल मीटरवेव रेडियो दूरदर्शी (जीएमआरटी) वेधशाला स्थापित की है।**

31 देश (28वें चक्र तक) जीएमआरटी के उपयोगकर्ता हैं जो वैज्ञानिक प्रेक्षणों के लिए इसकी सेवाओं का उपयोग करते हैं।

परमाणु उर्जा विभाग ने रेल मंत्रालय को सूचित किया है कि संरेखण जीएमआरटी वेधशाला के निकट से गुज़र रहा है और इससे संभावित हस्तक्षेप होगा तथा इसके परिचालन पर हानिकारक प्रभाव होंगे। इस प्रकार जीएमआरटी वेधशाला पर प्रतिकूल प्रभाव के कारण इस संरेखण को स्वीकार्य नहीं पाया गया।

बेलापुर, मनमाड- बेलापुर- अहिल्यानगर खंड पर एक मौजूदा स्टेशन है। बेलापुर और परली के बीच रेल संपर्कता में और सुधार लाने के लिए, निम्नलिखित कार्य स्वीकृत किए गए हैं:-

| क्र. सं. | कार्य का नाम | लंबाई |
|---|---|---|
| 1. | अहिल्यानगर-बीड-परली वैजनाथ नई लाइन | 250 किलोमीटर |
| 2. | अहिल्यानगर-बेलापुर दोहरीकरण | 67 किलोमीटर |

शाहपुर, मुंबई-मनमाड मार्ग पर स्थित मौजूदा आसनगांव रेलवे स्टेशन से लगभग 2.5 किलोमीटर दूर स्थित है। मनमाड-आसनगांव (शाहपुर) के बीच रेल संपर्कता में और सुधार लाने के लिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु निम्नलिखित सर्वेक्षण कार्य शुरू किए गए हैं:-

| क्र. सं. | कार्य का नाम | लंबाई |
|---|---|---|
| 1. | मनमाड-इगतपुरी तीसरी और चौथी लाइन | 124 किलोमीटर |
| 2. | इगतपुरी-कसारा चौथी और पांचवीं लाइन | 16 किलोमीटर |
| 3. | कसारा-आसनगांव चौथी लाइन | 35 किलोमीटर |

*****